IAS Philosophy Optional-2015

All the Questions Appeared in Civil Services Mains Examination 2015 held on 23rd December.2015 are from Pre Class Study Material of VVR designed by Dr.Ambuj Srvastava

Evidence is presented with Page Number of Study Material

C–AVZ–O–QIMA

दर्शनशास्त्र
प्रश्न-पत्र—I

PHILOSOPHY
Paper—I

निर्धारित समय : तीन घंटे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें आठ (8) प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न क्रमांक 1 एवं 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

There are EIGHT questions divided in Two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—अ

SECTION—A

Q. 1 निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में लघु उत्तर दीजिए :—

Write short answers to the following in about 150 words each :— 10×5=50

Q. 1(a) अरस्तु का 'वास्तविकता' और 'संभाव्यता' के बीच विभेद।

Aristotle's distinction between 'actually' and 'potentiality'. 10

Q. 1(b) दृश्यते इति वर्तते।

esse est percipi. 10

Q. 1(c) हुसरेल की 'कोष्ठीकरण' की अवधारणा।

Husserl's notion of 'bracketing'. 10

Q. 1(d) स्ट्रासन का 'एम' और 'पी' विधेयों के बीच विभेद।

Strawson's distinction between 'M' and 'P' predicates. 10

Q. 1(e) जी. ई. मूअर का आदर्शवाद का खण्डन।

G.E. Moore's refutation of idealism. 10

Q. 2(a) काण्ट द्वारा प्रवर्गों के विभाजन की व्याख्या कीजिए।

Explain Kant's division of categories. 20

Q. 2(b) चर्चा कीजिए कि हाईडेगर किस कारण अपनी तत्त्वमीमांसा में डासाइन की संकल्पना को प्रवर्तित करते हैं ?

Discuss why Heidegger introduces the concept of Dasein in his metaphysics. 15

Q. 2(c) यह दर्शाने के लिए कि विश्लेषणात्मकता, पर्यायत्व नहीं है, क्वाईन द्वारा दिए गए तर्कों की व्याख्या कीजिए।

Elucidate Quine's arguments to show that analyticity is not synonymity. 15

Q. 3(a) भाषा खेलों और जीवन रूपों के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

Bring out the relationship between language games and forms of life. 20

Q. 3(b) लाइब्निट्ज द्वारा प्रतिपादित 'अभेदों का तादात्म्य' सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

Explain Leibnitz's principle of 'identity of indiscernibles'. 15

Q. 3(c) 'अपूर्ण प्रतीकों' से आप क्या समझते हैं ? रसेल के अर्थ सिद्धांत में उनकी क्या भूमिका है ? चर्चा कीजिए।

What do we understand by incomplete symbols ? What role do they play in Russell's theory of meaning ? Discuss. 15

Q. 4(a) प्लेटो के आकृति-सिद्धांत की व्याख्या कीजिए। क्या इस सिद्धांत से किसी प्रकार का तत्त्ववाद निगमित होता है ? विवेचन कीजिए।

Explain Plato's theory of forms. Does it entail a kind of essentialism ? Discuss. 20

Q. 4(b) क्या देकार्त के 'चिंतये अतो अस्मि' सिद्धांत से यह निगमित किया जा सकता है कि वे एक तत्त्ववादी हैं ? विवेचन कीजिए।

Does Descartes Cogito principle entail that he is an essentialist? Discuss. 15

Q. 4(c) मानव के संदर्भ में अस्तित्व और तत्त्व के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। स्पष्ट कीजिए कि सार्त्र के अनुसार, इस संबंध से मनुष्यों के लिए किस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं ?

Bring out the relationship between existence and essence in the case of human being. Explain the issues it gives rise to for human beings according to Sartre. 15

खण्ड—ब

SECTION—B

Q. 5 निम्नलिखित में प्रत्येक का लगभग **150** शब्दों में संक्षिप्त उत्तर दीजिए :—

Write short answers to the following in about 150 words each :— **10×5=50**

Q. 5(a) पंचविधाभेद

Pancavidhabheda 10

Q. 5(b) जैन-दर्शन में द्रव्य की अवधारणा

Jain concept of *Dravya* 10

Q. 5(c) आलयविज्ञान

Ālayavijñāna 10

Q. 5(d) सतकार्यवाद

Satkaryavada 10

Q. 5(c) श्री अरविंद का पूर्ण योग।

Sri Aurobindo's Integral Yoga. 10

Q. 6(a) 'प्रमाण्यवाद' पर न्याय-मीमांसा दर्शनों में वादविवाद की व्याख्या कीजिए।

Elaborate Nyaya-Mimamsa debate on *Prāmānyavāda*. 20

Q. 6(b) "हमारा ज्ञान केवल गुणों तक सीमित है।" इस कथन का वैशेषिकों-बौद्धों के विवाद के प्रकाश में परीक्षण कीजिए।

'Our knowledge is confined to *gunas* alone'. Examine this statement in the light of Vaiśesika and Buddhist controversy. 15

Q. 6(c) क्या 'अन्यथाख्यातिवाद'-सिद्धांत दोष का पर्याप्त स्पष्टीकरण करता है ? व्याख्या कीजिए।

Is *anyathākhyātivāda* an adequate explanation of error ? Elaborate 15

Q. 7(a) शंकर और रामानुज के दर्शन में, ब्रह्म की अवधारणा के बीच साम्य और वैषम्य बताइए।

Compare and contrast the notion of *Brahman* in Sankara and Ramanuja. 20

Q. 7(b) 'पुरुष' की सत्ता के लिए सांख्य दर्शन में प्रमाणों का कथन और परीक्षण कीजिए।

State and examine the Samkhya proofs for the existence of *Purusa*. 15

Q. 7(c) प्रागनुभविक सत्वों को अस्वीकार करने के लिए चार्वाक के तर्कों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the arguments of Carvaka to reject transcendental entities. 15

Q. 8(a) योग-दर्शन के अनुसार बंधन क्या है ? पतंजलि के योगसूत्र में कैवल्य प्राप्ति की विधि क्या है ? व्याख्या कीजिए।

What is bondage according to yoga philosophy ? Explain the method of attaining *Kaivalya* in Patanjali's yogasutra. 20

Q. 8(b) संवरा और निर्जरा का क्या अर्थ है ? जैन दर्शन के मोक्ष-सिद्धांत में उनके महत्व की व्याख्या कीजिए।

What do *Samvara* and *Nirjara* mean ? Explain their significance in Jaina theory of liberation. 15

Q. 8(c) दुःख की व्याख्या करने में प्रतित्यसमुत्पाद सिद्धांत की क्या भूमिका है ? दुःख पर विजय पाने के साधनों की विवेचना कीजिए।

What is the role of *Pratityasamutpāda* in explaining *Dukha* ? Elucidate the means to overcome it. 15

दर्शनशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे | अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल आठ प्रश्न दिए गए हैं जो हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

PHILOSOPHY (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours | Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about 150 words each : 10×5=50

(a) "समता का अर्थ प्रत्येक के साथ सम बरताव करना नहीं है।" चर्चा कीजिए।
"Equality does not mean treating everyone equal." Discuss. (pg-3)

(b) क्या लोकतांत्रिक राज्य में सविनय अवज्ञा तर्कसंगत है? विवेचना कीजिए।
Is civil disobedience in a democratic State justifiable? Discuss. pg-32

(c) संप्रभुता की हैरॉल्ड लास्की की मीमांसा की विवेचना कीजिए।
Explain Harold Laski's critique of sovereignty. pg no - 21

(d) लोकतंत्र में व्यक्तिगत एवं सामूहिक अधिकारों का किस प्रकार समाधान किया जाता है? स्पष्ट कीजिए।
How are individual and group rights reconciled in democracy? Explain. (pg no - 39,40)

(e) "असाम्यिक विकास सामाजिक प्रगति के बजाय सामाजिक संघर्षों की ओर ले जाता है।" व्याख्या कीजिए।
"Inequitable development leads to social conflicts rather than social progress." Explain. (pg no - 70,71)

2. (a) स्त्री-पुरुष भेदभाव का तात्पर्य क्या है? क्या यह समता और सामाजिक न्याय का उल्लंघन नहीं है? विवेचना कीजिए।
What does gender discrimination mean? Is it not a violation of equality and social justice? Discuss. (pg no - 73,74)

(b) क्या महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण स्त्री-पुरुष भेदभाव का विलोपन कर देता है? विवेचना कीजिए।
Does economic empowerment of women eliminate gender discrimination? Discuss. 15 (pg no - 75,76)

(c) जाति-व्यवस्था की अम्बेदकर की समालोचना का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate Ambedkar's critique of caste system. 20 (pg no - 80,81)

3. (a) क्या बहुसंस्कृतिवाद वैश्विक समाज की एक आवश्यकता है? विवेचना कीजिए।
Is multiculturalism a need of global society? Discuss. 15 (pg - 61)

(b) "दण्ड का उद्देश्य नैतिक कानून की रक्षा करना और अपराधी के साथ न्याय करना है।" विवेचना कीजिए।
"The aim of punishment is to defend the moral law and to do justice to criminal." Discuss. 15 (pg no - 62,63)

(c) संसदीय लोकतंत्र के स्वरूप और प्रकार्यों का मूल्यांकन कीजिए।
Evaluate the nature and functions of parliamentary democracy. 20 (pg no - 37,38,39)

4. (a) "मानव के लिए आवश्यक है कि वह भौतिक और साथ-ही-साथ आध्यात्मिक रूप से विकसित होता जाय।" अम्बेदकर के इस कथन का मूल्यांकन कीजिए।
"Man must grow materially as well as spiritually." Evaluate this statement of Ambedkar. 15 (Page - 80)

(b) "भाईचारे और स्वतंत्रता के बिना, समता का कोई मूल्य नहीं होगा।" विवेचना कीजिए।
"Equality will be of no value without fraternity and liberty." Discuss. 15 (pg - 16)

(c) धार्मिक राष्ट्रवाद धर्मनिरपेक्ष राज्य के लिए किस प्रकार ख़तरा होता है? स्पष्ट कीजिए।
How is religious nationalism a threat to secular State? Explain. 20 (pg - 57,58)

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :
Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) ईश्वर के गुणों पर एक समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।
Write a critical note on the attributes of God.

(b) क्या किसी धर्म की अतिजीविता के लिए ईश्वर का अस्तित्व एक आवश्यक शर्त है? व्याख्या कीजिए।
Is existence of God a necessary condition for the survival of religion? Explain.

(c) क्या नैतिकता आवश्यक रूप से धर्म पर आधारित होती है? विवेचना कीजिए।
Is morality necessarily based on religion? Discuss.

(d) क्या ईश्वर 'प्राकृतिक अशुभ' का कारण है? चर्चा कीजिए।
Is God the cause of *natural evil*? Explain.

(e) क्या 'आस्था' और 'तर्कबुद्धि' साथ-साथ चलते हैं? चर्चा कीजिए।
Do *faith* and *reason* go together? Discuss.

6. *(a)* धार्मिक भाषा को किस प्रकार सत्यापित किया जा सकता है? क्या यह कहना सही है कि धार्मिक भाषा सत्यापित होती है, क्योंकि इसे मिथ्यापित नहीं किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
How can the religious language be verified? Is it correct to say that religious language is verified because it cannot be falsified? Discuss.

(b) हिन्दू धर्म और इस्लाम में रहस्यवाद के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
Explain the nature of mysticism in Hinduism and Islam.

(c) क्या 'श्रुति या इलहाम' को 'तर्कबुद्धि' के द्वारा तर्कसंगत सिद्ध किया जा सकता है? विवेचना कीजिए।
Can *revelation* be justified by *reason*? Discuss. 15

7. *(a)* क्या आपके विचार में बुराई एक ऐसी कड़वी दवागोली है, जिसको कोई भी ईश्वरवादी आसानी से निगल नहीं सकता है? विवेचना कीजिए।
Do you think that evil is a bitter pill which no theist can easily swallow? Discuss. 15

(b) "अमरता का तात्पर्य 'कर्म' और 'पुनर्जन्म' की अनुपस्थिति का होना है।" विवेचना कीजिए।
"Immortality means absence of *Karma* and *Rebirth*." Discuss. 15

(c) ईश्वर की सत्ता के पक्ष में 'न्याय' के तर्कों का परीक्षण कीजिए।
Examine the *Nyāya* arguments in favour of the existence of God. 20

8\. (a) "नैतिक मूल्यों से वंचित धार्मिक मनुष्य की अपेक्षा एक अनीश्वरवादी व्यक्ति अधिक उम्दा मनुष्य हो सकता है।" विवेचना कीजिए।

"An atheist may be a better man than a religious person bereft of moral values." Discuss.

(b) ईश्वर के अस्तित्व के पक्ष में दिए जाने वाले 'सत्तामीमांसीय' और 'ब्रह्मांडमीमांसीय' तर्कों का परीक्षण कीजिए।

Examine the *ontological* and *cosmological* arguments in favour of the existence of God.

(c) मोक्ष क्या है? 'वेदांत' संप्रदाय के अनुसार इसकी प्राप्ति के साधनों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

What is liberation? Briefly discuss the ways to attain it as outlined in the systems of Vedānta. 20

***